

एक समय की बात है एक गांव में एक सेठ रहता था उसका के पुत्र था राजू , जबकि पवन एक गरीब परिवार का लड़का था लेकिन राजू और पवन काफी अच्छे दोस्त थे। लेकिन पवन के के खाश बात थी। जब भी राजू झूट बोलता तो पवन नीचे गिर जाता लेकिन दोनों में काफी अच्छी दोस्ती थी।

एक दिन जब पवन राजू के घर गया तो राजू अपने माता पिता से कुछ झूटी बात बोल रहा था दूसरी तरफ पवन बार – बार नीचे गिर जाता। राजू के पिता ने पूछ की बेटा तुम बार – बार नीचे क्यों रहे हो तभी पवन के बताया की क्या आपके बेटे ने अभी को आपसे बात बोली सेठ बोला है तो वह बात झूट थी इस लिए मैं गिरा। जब – जब राजू झूट बोलता है तो मैं नीचे गिरता हूँ। अभी सेठ को पूरा समझ में आ गया।

एक दिन घर में कुछ चोर – चोरी करने के लिए घर में घुस आये। तभी पवन भी वही था आते थी पवन को चोर ने पकड़ लिया सेठ को इस बारे में पता चला वह तुरंत राजू को बुलाया और के प्लान बताया राजू के पास एक डंडा हाथ लग जाता है और अपने पापा को दे देता है।

उसके बाद राजू बोलता है की पापा घर में “चोर है ही नहीं ” तभी पवन झट से नीचे गिर जाता है जैसे ही पवन नीचे गिरता है तो सेठ के हाथ में वो डंडा उसे चोर को फेक कर मरता है और वह डंडा उस चोर के सिर में लग जाता है तो नीचे गिर जाता है उसके बाद उस चोर को पकड़कर पुलिस थाने में ले जाते है और जेल में बंद करवा देते है

**शिक्षा :** कभी जिसे हम गलत चीज मानते हैं वो कहीं – कहीं काम जरूर आती है  
जैसे : झूठ बोलने पर पवन का गिरना

## सुखी जीवन का रहस्य

इस समय की बात है एक गांव में एक संत रहता था। उसके पास एक छोटी सी कुटिया थी। गांव के किनारे उसे उस कुटिया में शांति नहीं मिल रही थी उन्होंने एक आश्रम बनाने के बारे में सोचने लगा उन्होंने सोचा कि मैं लोगों के सहयोग से एक आश्रम बनाऊंगा।

जिससे काफी अच्छा रहेगा और मुझे संतुष्टि भी मिलेगी उसके लिए फैशन गांव गांव जाकर सहयोग के लिए चंदा मांगने लगा आप लोगों ने उनका सहयोग किया तभी उनकी मुलाकात एक मायावती लड़की से हो जाती है जो बहुत ही गरीब और एक छोटी सी कुटिया में रहती थी।

जब वह संत उस मायावती लड़की के पास जाता है उस मायावती ने संत के साथ अपने छोटी सी कुटिया में ले जाती है और उन्हें खाना खिलाती है उसके बाद मायावती ने संत को आराम करने के लिए बोलती है मायावती ने संत के लिए मखमल के गद्दे और चारपाई का बंदोबस्त करते सोने के लिए आमंत्रित करती है।

जमीन पर एक छोटी सी सो जाती है चारपाई पर सोता है उसे काफी अच्छा लगता है लेकिन बाद में उसे नींद नहीं आती है क्योंकि वह हमेशा फर्श पर जमीन पर सोता है मायावती को संतुष्टि किसी आ सकती है जबकि यह

एक जमीन पर फर्श पर हो रही है कुछ समय बाद जब मायावती और जाती है तो उसके बाद संतु से पूछता है ।

कि तुम जमीन पर फर्स्ट पर सो रखी हो और वह भी इतनी चैन की नींद कैसे जब मायावती ने किया कि मैं जो मिलता है उसी में संतुष्ट रहती हूं मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे पास एक छोटी सी कुटिया है और जब मेरे को एक वक्त का खाना मिलता है तो मैं उसमें बहुत भाग्यशाली समझते हैं इसलिए जब मैं फर्स्ट पर सोती हूं तो ऐसा लगता है कि मैं मेरी मां की आंचल में सो रही हूं ।

उसके बाद संत को समझ में आ जाता है कि मैं क्यों कर रहा हूं शायद यह गलत है सुखी जीवन के लिए किसी अच्छे आश्रम का होना जरूरी नहीं है उसके बाद वह मायावती के पास से वापस अपनी कुटिया की ओर आ जाता है और जो भी उन्होंने चंदा अपने पास एकत्रित किया था उन्हें गरीबों में बांट देता है और वह अपने जीवन में खुश रहता है

**शिक्षा :** सुखी जीवन के लिए किसी धन की आवश्यकता नहीं होती है

## **सच्ची मित्रता ( कहानी )**

एक समय की बात है एक गांव में दो लड़के रहते हैं थे राहुल और मुकेश दोनों काफी अच्छे दोस्त थे। वो एक दूसरे को काफी चाहते हैं एक दिन दोनों पास गांव के तालाब में तैरने गए। जाते समय उसके साथ और भी काफी लड़के तालाब में तैरने के लिए गए।

जब वो तालाब पर पहुंचे तो तालाब के काफी स्वस्थ पानी दिखाई दिया वो सभी लोग तैरने के लिए तालाब में छलांग लगा दी। कुछ देर तैरने के बाद राहुल को एक मगरमच्छ ने पकड़ लिए जिसके बारे में उनको किसी को भी पता नहीं था की तालाब के अन्दर मगरमच्छ है। राहुल को इस हालात में देखकर वो के सभी लड़के तालाब से भाग गए सिवाए मुकेश के मुकेश को अपने दोस्त को बचने के लिए मगरमच्छ से लड़ने लगा.

लेकिन मगरमच्छ ने राहुल का पैर पकड़ा हुआ था। मुकेश के हाथ में के छड़ी लग गई। जिसे मुकेश मगरमच्छ को मारने लगा लेकिन मगरमच्छ को किसी भी प्रकार का कोई फर्क नहीं पड़ा। तब मुकेश ने उस छड़ी की मदद से मगरमच्छ की आँख में दे डाली हो। जैसे ही मगरमच्छ की आँख में लगी तो मगरमच्छ से राहुल के पैर को छोड़ दिया और मुकेश अपने दोस्त राहुल को तालाब से मगरमच्छ के मुँह से राहुल को बचा लाया

**शिक्षा : दोस्तों ऐसा होना चाहिए जो मुसीबत में आपका साथ दे।**

## **गुरु ने ली शिष्य की परीक्षा**

**story in hindi** : एक समय की बात है एक जंगल में एक साधु रहता था साधु बहुत है ज्ञानी था उसके पास पढ़ने के लिए कुछ बच्चे आते थे एक दिन गुरु ने अपने शिष्य की परीक्षा लेना चाहा ,अपने शिष्य को पास बुलाता है और उन्हें एक – एक टोकरी दे देता है और बोलता है की मुझे प्यास लगी है और तुम सब मेरे लिए इस टोकरी में नदी से पानी लेकर आओ।

उसके बाद सभी शिष्य सोच में पड़ जाते हैं क्योंकि टोकरी में काफी छेद थे। उसके बाद सभी शिष्य नदी के किनारे चल जाते हैं और जैसे ही उस टोकरी में पानी भरते हैं पानी नीचे से निकल जाता है वो लोग काफी परेशान हो जाते हैं और आश्रम की तरफ आने लग जाते हैं। लेकिन उन शिष्य में से एक शिष्य ने उस टोकरी में पानी भरकर प्यास भुजा देता है

अगले दिन गुरु ने सभी शिष्य को बुलाता है और अपना परीक्षा परिणाम सुनाता है तो गुरु बोलता है की तुम सभी में से एक ही शिष्य पास हुआ है। सभी सोच में पड़ जाते हैं तभी गुरु ने बोलें की एक मेने आपकी परीक्षा उस टोकरी में पानी भरकर लाने की ली थी लेकिन एक को छोड़कर सभी खाली हाथ आये तब उस लड़के को अपने पास बुलाया और बोला की तुमने ऐसा क्या क्या की तुम टोकरी में पानी लाने में सफल हुए

तब वह शिष्य बोलता है की जब ये सभी वापस लोट रहे थे उस समय मेने सोच की यदि में पानी नहीं लेकर गया तो गुरुदेव प्यासे रह जायेगे उन्हें कुछ सोच समझ कर ही भेजा है उसके बाद में उस टोकरी को कुछ देर पानी के अंदर डालकर बैठा रहा कुछ देर बाद देखा की टोकरी में पानी रुकने लगा मेने और कुछ समय बैठने के निश्चय किया कुछ दे बाद जब में पानी से टोकरी को बहार निकला तो टोकरी से पानी निकला बंद हो गया ,

क्योंकि उस के जो छेद थे वो कंकर से बंद हो चुके थे जिससे पानी टोकरी में ठहर गया और में पानी लेकर गुरुदेव के पास आकर पानी पिलाया। तब गुरुदेव ने कहा की जिसका लक्ष्य पक्का हो वह निश्चित ही अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेता है।

**शिक्षा** : जब भी कोई कार्य करे तो अपना लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। दूसरा आपके पास धर्य होना चाहिए।